

न्यायालय : सहायक कलक्टर (फास्ट ट्रैक) भादरा, जिला हनुमानगढ़

पीपसीन अधिकारी : श्री सत्यनारायण आर्यपूरा

प्रकरण सं० : 136/2020

1. जगदीश पुत्र भरतसिंह जाति जाट निवासी जिलोदा तह भादरा।
2. बलवान पुत्र भरतसिंह जाति जाट निवासी जिलोदा तह भादरा।

:- वादीगण

व पक्ष

1. भरतसिंह पुत्र रणजीत जाति जाट निवासी जिलोदा तह भादरा।
2. रोशनी पुत्री भरतसिंह जाति जाट निवासी जिलोदा तह भादरा।
3. सुमित्रा पुत्री भरतसिंह जाति जाट निवासी जिलोदा तह भादरा।
4. राजबाला पुत्री भरतसिंह जाति जाट निवासी जिलोदा तह भादरा।
5. पीयूष पुत्रान शकुन्तला पुत्री भरतसिंह नाबालिगान जरिये पिता
6. ललित कुलदीप जाति जाट निवासी जिलोदा तह नरवाना हरियाणा।
7. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार राजस्व भादरा।

:- प्रतिवादीगण

आज यह वाद मुझ सत्यनारायण सहायक कलक्टर फास्ट-ट्रैक भादरा के सम्मुख वकील वादी श्री सुरेन्द्र बैचीवाल एवं वकील प्रतिवादीगण श्री मुंशीराम मोरवाणी की उपस्थिति में निर्णय हेतु प्रस्तुत होने पर एवं वाद वादी साबित होने के कारण मुताबिक राजीनामा आंशिक डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि रोही मौजा जिलोदा के खाता सं० 58/56 के खसरा सं० 21 को 10.180 है, खसरा सं० 77 की 5.185 है, खसरा सं० 305 की 3.895 है, खसरा सं० 368 की 13.240 है कुल 32.500 है वाराणी खातेदारी में प्रतिवादी सं० 1 भरतसिंह के नाम से 1/2 हिस्सा दर्ज खातेदारी में से प्रतिवादी सं० 1 भरतसिंह का नाम कलमजब किया जाकर वाद भूमि में से वादीगण को संयुक्त रूप से 6/7 व प्रतिवादी सं० 5 व 6 को संयुक्त रूप से 1/7 हिस्सा के खातेदार घोषित किया जाता है। चूंकि प्रतिवादी सं० 1 तो 4 ने अपना हक हिस्सा वादीगण के पक्ष में त्याग कर शून्य कर लिया है इसलिए त्याग किये गये हिस्से पर नियमानुसार पंजीगन विभाग को देय पंजीगन शुल्क व स्टाम्प ड्यूटी अदा करने व यदि कृषि भूमि बैंक के रहन है तो रहन मुक्त होने के उपरान्त ही उपरोक्तानुसार वादीगण सं० 1 जगदीश, वादीगण सं० 2 बलवान को संयुक्त रूप से 6/7 हिस्सा व प्रतिवादी सं० 5 पीयूष, प्रतिवादी सं० 6 ललित नाबालिगान जरिये पिता कुलदीप को संयुक्त रूप से 1/7 हिस्सा के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज कर रिकार्ड दुरुस्त किया जावे। खर्चा वाद उभय पक्ष अपना अपना वहन करे।

यह पर्चा डिक्री आज दिनांक 09/02/21 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी की गई।



सहायक कलक्टर
(फास्ट-ट्रैक)

R.A.

सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रैक)
भादरा, जिला हनुमानगढ़

न्यायालय : सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रैक) भादरा, जिला हनुमानगढ़

पीठासीन अधिकारी : श्री सत्यनारायण आरएएस

प्रकरण सं० : 136/2020

1. जगदीश पुत्र भरतसिंह जाति जाट निवासी झिलोदा त० भादरा।
2. बलवान पुत्र भरतसिंह जाति जाट निवासी झिलोदा त० भादरा।

:- वादीगण

ब नाम

1. भरतसिंह पुत्र रणजीत जाति जाट निवासी झिलोदा त० भादरा।
2. रोशनी पुत्री भरतसिंह जाति जाट निवासी झिलोदा त० भादरा।
3. सुमित्रा पुत्री भरतसिंह जाति जाट निवासी झिलोदा त० भादरा।
4. राजबाला पुत्री भरतसिंह जाति जाट निवासी झिलोदा त० भादरा।
5. पीयूष } पुत्रान शकुन्तला पुत्री भरतसिंह नाबालिगान जरिये पिता
6. ललीत } कुलदीप जाति जाट निवासी झिलोदा हाल नरवाना हरियाणा।
7. राजस्थान सरकार जरिए तहसीलदार राजस्व भादरा।

:- प्रतिवादीगण

दावा बाबत : घोषणात्मक एवं रिकार्ड दुरूस्ती

अन्तर्गत धारा 88 राज०काश्त०अधि० 1955

उपस्थिति : वकील श्री सुरेन्द्र बैनीवाल : वादी

वकील श्री मुन्शीराम गोस्वामी : प्रतिवादीगण

दिनांक : ०९-०२-२०२१

निर्णय

संक्षेप में वाद के तथ्य इस प्रकार हैं कि रोही मोजा झिलोदा के खाता सं० 58/56 के खसरा सं० 21 की 10.180 है०, खसरा सं० 77 की 5.185 है०, खसरा सं० 305 की 3.895 है०, खसरा सं० 368 की 13.240 है० कुल 32.500 है० बाराणी खातेदारी में प्रतिवादी सं० 1 भरतसिंह के नाम से 1/2 हिस्सा व रोही मोजा झिलोदा के खाता सं० 57/54 के खसरा सं० 31 की 3.402 है० बाराणी खातेदारी में प्रतिवादी सं० 1 भरतसिंह के नाम से 1/3 हिस्सा खातेदारी दर्ज है। जो पहले प्रतिवादी सं० 1 के पिता रणजीत की खातेदारी हुआ करती थी। रणजीत के देहान्त होने पर उक्त भूमि को प्रतिवादी सं० 1 भरतसिंह ने कर्ता खानदान होने के चलते तन्हा अपने नाम विरासतन दर्ज करवा ली।

वादी एवं प्रतिवादीगण हिन्दू हैं तथा हिन्दू विधि से शासित होते हैं। वादभूमि वादी की दादालाई पैतृक कृषि भूमि है जिसमें वादी का जन्म से हक एवं अधिकार निहित है। वादी अपनी बंटवारा की भूमि को समतल, उपजाऊ बनाकर सुधार करना चाहते हैं जिसके लिए उन्हें केसीसी, ऋण आदि की आवश्यकता रहती है इसलिए वादी ने प्रतिवादीगण को उक्त वाद भूमि को अपने हक हिस्सा अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवाने के लिए कहा तो वे ऐसा करने से साफ इन्कार हो गये लिहाजा यही बनाए मुखारम्भत है।

28
सहायक कलक्टर
(फास्ट ट्रैक) भादरा

वाद पेश होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया। सम्मन तामील होने के उपरान्त वादी एवं प्रतिवादी सं० 1 ता 6 द्वारा आपसी सहमती से राजीनामा पेश किया गया। व प्रतिवादी सं० 7 स्टेट को वकील

वादी ने तर्क अंकित किया। प्रतिवादीगण गण द्वारा राजीनामा पेश किये जाने पर तनकी को कोई आवश्यकता नहीं है। अतः पत्रावली में राक्ष्य करवाया गया।

साक्ष्य वादी में पीडब्ल्यू बलवान पुत्र भरतसिंह जाति जाट निवासी झिलौदा के बयान करवाये गये। दस्तावेजी साक्ष्य में सत्यप्रतिलिपि जमाबंदी ग्राम झिलौदा खाता सं० 58/56 प्रदर्श 1, सत्यप्रतिलिपि जमाबंदी ग्राम झिलौदा खाता सं० 57/54 प्रदर्श 2, पुरानी जमाबंदी प्रदर्श 3, वारिस प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत भानगढ प्रदर्श 4 प्रदर्शित करवाये।

बहस उभयपक्ष सुनी गई। दौराने बहस वकील वादी ने वाद के तथ्यों को दोहराते हुए कथन किया कि वाद भूमि वादी की दादताई पैतृक कृषि भूमि है जिसमें वादी का जन्म से हक हिस्सा है। उक्त वाद भूमि प्रतिवादी सं 1 के नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज होने पर वादी के हकों पर विपरित असर पड़ता है। इस प्रकार मुताबिक राजीनामा व वाद में वर्णित भूमि पैतृक सम्पत्ति साबित होने पर वाद वादीगण डिक्री किये जाने हेतु निवेदन किया।

हमारे द्वारा विद्वान अभिभाषक की बहस पर मनन किया गया। पत्रावली पर प्रस्तुत दस्तावेज का ध्यान पूर्वक अवलोकन किया गया। हस्तगत प्रकरण में वादीगण ने झिलौदा के राजस्व रिकार्ड में अपने पिता के नाम दर्ज भूमि में अपने हकों की घोषणा करवाने हेतु वाद पेश किया है। वादी ने दावा की पुष्टि में जो सत्यप्रतिलिपि जमाबंदी व वारिस प्रमाण पत्र मय शपथ पत्र प्रदर्श 4 प्रदर्शित करवाये। प्रदर्श 4 में वारिसप्रमाण पत्र में भरतसिंह के दो पुत्र जगदीश, बलवान व चार पुत्री रंशनी, सुमित्रा, राजवाला व स्व० शकुन्तला के अलावा अन्य कोई वारिस होना नहीं बताया गया है। वारिस प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत नरवाना जिला जीन्द के अनुसार शकुन्तला के दो वारिस पीयूष व ललित हैं। वाद भूमि रोही मोजा झिलौदा के खाता सं० 58/56 के खसरा सं० 21 की 10.180 है०, खसरा सं० 77 की 5.185 है०, खसरा सं० 305 की 3.895 है०, खसरा सं० 368 की 13.240 है० कुल 32.500 है० बरानी खातेदारी में प्रतिवादी सं० 1 भरतसिंह के नाम से 1/2 हिस्सा व रोही मोजा झिलौदा के खाता सं० 57/54 के खसरा सं० 31 की 3.402 है० बरानी खातेदारी में प्रतिवादी सं० 1 भरतसिंह के नाम से 1/3 हिस्सा खातेदारी भरतसिंह के नाम यथावत रखते हुए शेष भूमि में से प्रतिवादी सं० 1 भरतसिंह का नाम कलमजन किया जाकर वाद भूमि में से वादीगण को संयुक्त रूप से 6/7 व प्रतिवादी सं० 5 व 6 को संयुक्त रूप से 1/7 बहिस्सा बराबर के खातेदार घोषित किये जावें। चूंकि प्रतिवादी सं 1 ता 4 ने अपना हक हिस्सा वादीगण के पक्ष में त्याग कर शून्य कर लिया है। इस प्रकार वाद वादीगण मुताबिक राजीनामा व पैतृक सम्पत्ति के आधार पर काबिल स्वीकार होने पर आंशिक स्वीकृत किया जाता है।।

क्रियात्मक आदेश

अतः वाद वादी साबित होने के कारण मुताबिक राजीनामा आंशिक डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि रोही मोजा झिलौदा के खाता सं० 58/56 के खसरा सं० 21 की 10.180 है०, खसरा सं० 77 की 5.185 है०, खसरा सं० 305 की 3.895 है०, खसरा सं० 368 की 13.240 है० कुल 32.500 है० बरानी खातेदारी में प्रतिवादी सं० 1 भरतसिंह के नाम से 1/2 हिस्सा व बरानी खातेदारी में से का नाम कलमजन किया जाकर वाद भूमि में से वादीगण को संयुक्त रूप से 6/7 व प्रतिवादी सं० 5 व 6 को संयुक्त रूप से 1/7 बहिस्सा बराबर के खातेदार घोषित किया जाता है। चूंकि प्रतिवादी सं० 1 ता 4 ने अपना हक हिस्सा वादीगण के पक्ष में त्याग कर शून्य कर लिया है इसलिए त्याग किये गये हिस्से पर नियमानुसार पंजीयन विभाग को देय पंजीयन शुल्क व स्टाम्प ड्यूटी अदा करने व यदि कृषि भूमि बैंक के रहन है तो रहन मुक्त होने के उपरान्त ही उपरोक्तानुसार वादीगण सं 1 जगदीश, वादीगण सं० 2 बलवान को संयुक्त रूप से 6/7 हिस्सा व प्रतिवादी सं० 5 पीयूष प्रतिवादी सं० 6 ललित नाबालिगान वारिये पिता कुलदीप को संयुक्त रूप से 1/7 हिस्सा के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज



28
सहायक कलमज
(फास्ट ट्रेक)

दर रिकार्ड दुरुस्त किया जावे। खर्चा वाद उभय पक्ष अपना अपना वहन करे। पर्चा
डिक्री जारी हो।

निर्णय आज दिनांक 09-02-2024 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले
न्यायालय में सुनाया गया।



सहायक कलक्टर
(फास्ट ट्रैक) (सत्यनारायण देरा)

R.A.S.

सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रैक)

भादरा, जिला हनुमानगढ़